जबलपुर | शुक्रवार I 15 मई 2026 I वर्ष 77 I अंक 112 I पृष्ठ 12 I मूल्य रु. 5.00 navabharat.com twitter.com/Nava_Bharat fb.me/NavaBharat.Social

परिवार दिवस आज

नव भारत

राष्ट्रहित का प्रहरी 1934 से

5 यूपी में आंधी-तूफान से 96 की मौत

6 अजीत की पार्टी का संतुलन बिगड़ा

7 अप्रैल में वाहनों की बिक्री रिकॉर्ड स्तर पर

8 भारतीय शटलरों ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

शांति और सुरक्षा प्राथमिकता

18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता और मेजबानी कर रहा भारत

नई दिल्ली, 14 मई. भारत 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता और मेजबानी कर रहा है. 14-15 मई 2026 को नई दिल्ली में ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक आयोजित की गई, जिसमें रूस, चीन, दक्षिण अफ्रीका और नए सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों ने भाग लिया.

पीएम मोदी ने ब्रिक्स सम्मेलन में आए विदेश मंत्रियों से मुलाकात की. दो दिवसीय ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने आए विभिन्न देशों के विदेश मंत्रियों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुलाकात की. शुक्रवार को दूसरे दिन, ब्रिक्स संगठन के सदस्य और साझेदार देश ब्रिक्स एट 20: लचीलापन, नवाचार, सहयोग और सतत विकास के लिए निर्माण विषय पर एक विशेष सत्र में भाग लेंगे. इसके बाद वैश्विक शासन और बहुपक्षीय प्रणाली में सुधार पर चर्चा की जाएगी.

बैठक की अध्यक्षता करते हुए एस. जयशंकर ने वैश्विक मुद्दों पर

भारत के स्पष्ट रुख का उल्लेख किया. उन्होंने कहा कि शांति और सुरक्षा वैश्विक व्यवस्था के केंद्र में हैं. उन्होंने कहा कि हाल के संघर्षों ने संवाद और कूटनीति के महत्व को और अधिक स्पष्ट किया है। इस जटिल और अनिश्चित दुनिया में चर्चाओं को समानता और साझा लेकिन अलग-अलग जिम्मेदारियों के सिद्धांतों को बनाए रखते हुए सतत विकास की दिशा में आगे बढ़ाना चाहिए. डॉ. जयशंकर ने कहा कि तकनीकी प्रगति, वैश्विक परिदृश्य को नया आकार दे रही है और इसका उपयोग सुशासन तथा समावेशी विकास के लिए किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ सहयोग मजबूत करने को लेकर भी साझा हित जुड़े हैं। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज और लाल सागर का जिक्र करते हुए विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि समुद्री रास्तों में बाधा और ऊर्जा ढांचे पर खतरे पूरी दुनिया की आर्थिक स्थिरता को प्रभावित कर सकते हैं। ऐसे समय में सुरक्षित और निर्बाध समुद्री प्रवाह बेहद जरूरी है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा - आज नई दिल्ली में आयोजित विदेश मंत्रियों की बैठक में अपने सहयोगियों का स्वागत करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है।

ब्रिक्स देशों की सूची और इनकी कुल नॉमिनल जीडीपी

क्रम	देश	प्रति व्यक्ति आय (यूएसडी)
1	यूएई	50,273.5
2	सऊदी अरब	35,121.7
3	रूस	14,889
4	चीन	13,303.1
5	ब्राजील	10,310.5
6	दक्षिण अफ्रीका	6,267.2
7	ईरान	5,190.2
8	इंडोनेशिया	4,925.4
9	मिस्र	3,338.5
10	भारत	2,694.7
11	इथियोपिया	1,133.9

अमेरिका-चीन में आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर चर्चा

वांशिगटन, 14 मई.अमेरिका और चीन के बीच हाल ही में हुई उच्चस्तरीय बैठक में दोनों देशों ने द्विपक्षीय संबंधों और वैश्विक स्थिरता के मुद्दों पर चर्चा की. इस बैठक को सकारात्मक बताया गया और दोनों नेताओं ने सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया.

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका-चीन संबंधों की पुरानी जड़ों और शुरुआती व्यापारिक आदान-प्रदान का जिक्र किया. उन्होंने कहा कि दोनों देश एकजुट होने पर दुनिया के लिए विशेष अवसर बनते हैं. उन्होंने साझेदारी मजबूत रखने की शुभकामनाएं दी।

व्हाइट हाउस ने कहा कि ट्रंप और शी की बैठक सकारात्मक रही.ताइवान पर चर्चा नहीं हुई.ईरान युद्ध और होर्मुज जलडमरूमध्य पर विस्तार से विचार हुआ. अमेरिकी कंपनियों के लिए चीन में बाजार पहुंच और निवेश बढ़ाने पर जोर दिया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और उनकी

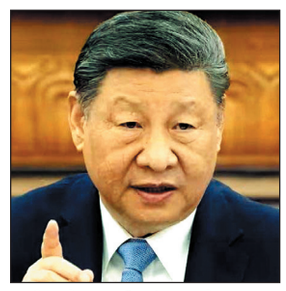

पत्नी को 24 सितंबर को व्हाइट हाउस आने का न्योता दिया. बीजिंग में राजकीय स्वागत समारोह के दौरान उन्होंने शी का स्वागत करने के लिए धन्यवाद किया और आगमन का इंतजार जताया.

शी ने अमेरिका-चीन संबंधों को दुनिया का सबसे अहम रिश्ता बताया. उन्होंने कहा कि रिश्ते सही दिशा में चलने चाहिए.शी ने राष्ट्रीय कायाकल्प और अमेरिका को फिर से महान बनाने की योजनाओं को साथ आगे बढ़ाने का सुझाव दिया.बैठक में आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई.इसमें अमेरिकी कंपनियों के लिए चीन में बाजार पहुंच बढ़ाना और उद्योगों में चीनी निवेश को प्रोत्साहित करना शामिल था.पिछले वर्ष 414 अरब डॉलर के संबंधों को लाभकारी बताया गया। दोनों देशों ने होर्मुज जलडमरूमध्य में ऊर्जा प्रवाह बनाए रखने पर सहमति जताई.शी ने सैन्यीकरण और शुल्क लगाए जाने का विरोध किया.चीन भविष्य में अधिक अमेरिकी तेल खरीदकर निर्भरता कम करने में रुचि रखता है।शी ने ताइवान को सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा बताया.इसे सही ढंग से संभालने पर संबंध स्थिर रहेंगे.दोनों देशों के फैसले 1.7 अरब नागरिकों और वैश्विक आबादी पर असर डालते हैं.

कांग्रेस ने केरल की कमान वीडी सतीशन के हाथों में सौंपी

तिरुवनंतपुरम, 14 मई. केरल विधानसभा चुनाव के नतीजों के 10 दिन बाद कांग्रेस ने आखिरकार मुख्यमंत्री पद को लेकर चल रहा सस्पेंस खत्म कर दिया. पार्टी हाईकमान ने गुरुवार को वरिष्ठ नेता वीडी सतीशन को केरल का नया मुख्यमंत्री घोषित किया।

61 वर्षीय सतीशन पारावूर सीट से लगातार छह बार विधायक चुने जा चुके हैं और उन्हें कांग्रेस का मजबूत जनाधार वाला नेता माना जाता है. मुख्यमंत्री पद की दौड़ में कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल और वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला भी शामिल थे। चुनाव परिणाम आने के बाद कांग्रेस के

भीतर अलग-अलग गुट सक्रिय हो गए थे. एक वर्ग वेणुगोपाल के पक्ष में था, जिन्हें केंद्रीय नेतृत्व का करीबी माना जाता है, जबकि दूसरा गुट वीडी सतीशन को राज्य में पार्टी का सबसे प्रभावशाली चेहरा बता रहा था।

राजनीतिक हलकों में उस समय हलचल और बढ़ गई जब वायनाड समेत कई शहरों में पोस्टर लगाकर कार्यकर्ताओं ने खुले तौर पर वीडी सतीशन को मुख्यमंत्री बनाने की मांग की।

सतीशन पर मुहर खड़गे व राहुल का दूरगामी संदेश

प्रवेश कुमार मिश्र

नई दिल्ली,14 मई. केरल विजय के दस दिनों बाद तमाम अटकलों के बीच मुख्यमंत्री के रूप में वीडी सतीशन के नाम का फैसला केवल एक मुख्यमंत्री का चयन नहीं, बल्कि एक नई, व्यवहारिक और आक्रामक कांग्रेस के पुनर्जन्म का ब्लूप्रिंट है. संभवत: इसीलिए यह कहा जा रहा है कि कांग्रेस अब क्षेत्रीय क्षत्रपों के हवाई दावों को दरकिनार कर परामर्श आधारित लोकतांत्रिक प्रक्रिया तथा जमीनी हकीकत को स्वीकार करते हुए पीढ़ीगत बदलाव की नई रणनीति पर चल पड़ी है.

राजनीतिक जानकार बता रहे हैं कि उक्त निर्णय कांग्रेस की पुरानी कार्यशैली से बिल्कुल अलग है. अतीत में कांग्रेस अक्सर

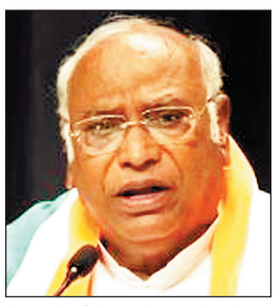

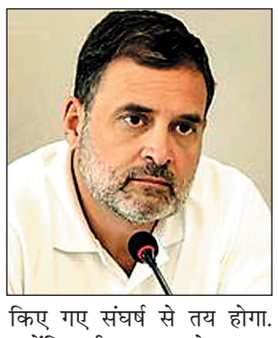

दिल्ली में बैठे अपने करीबियों या क्षत्रपों के दबाव के आगे घुटने टेक देती थी, जिसका खामियाजा उसे निरंतर भुगतना पड़ा है. लेकिन केरल के मामले में राहुल गांधी ने सख्त रुख अपनाते हुए कार्यकर्ताओं की सड़कों पर गुटबाजी को खारिज किया और स्पष्ट किया कि नेतृत्व बैकपैक फैसलों से नहीं, बल्कि जमीन पर किए गए संघर्ष से तय होगा. क्योंकि सतीशन 2001 से लगातार विधानसभा सदस्य रहते हुए 2021 से विधानसभा में विपक्ष के नेता के रूप में एलडीएफ सरकार के खिलाफ मोर्चा संभाले हुए थे, उन्हें कमान सौंपना यह दिखाता है कि पार्टी अब पैराशूट लीडर्स के बजाय जमीनी जवाबदेही को तवज्जो दे रही है.जानकार बता रहे हैं कि इस निर्णय के माध्यम से कांग्रेस हाईकमान ने देश की राजनीति और अपने संगठन को तीन बड़े संदेश दिए हैं जिसके तहत गुटबाजी पर कड़ा प्रहार, पीढ़ीगत बदलाव तथा गठबंधन सहयोगियों पर भरोसा व्यक्त करना शामिल है.

निजी पसंद से ऊपर पार्टी हित: राजनीति के जानकारों के मुताबिक केरल में सतीशन को मुख्यमंत्री बनाने का फैसला राहुल गांधी की राजनीतिक परिपक्वता, उनकी कार्यशैली में आए बड़े बदलाव और भविष्य की व्यवहारिक राजनीति का सबसे बड़ा उदाहरण है यानी इसे एक मास्टरस्ट्रोक के रूप में देखा जा रहा है.

मुलाकात

नई दिल्ली. उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से उनके निवास पर मुलाकात की.

BHARAT NCAP ★★★★★ ★★★★★

book TATA Altroz

Available in Petrol, Diesel and CNG

TATA MOTORS SAFETY DOME 360° PROTECTION

FRONTIER MOTOCORP
Jabalpur : 9152101208, Narsinghpur : 9167068204,
Dindori : 9167062809

COMMERCIAL AUTOMOBILES
Jabalpur: 9152101198,
Katni: 8879231668

FRONTIER MOTOCORP
Shahdol, Beohari: 8879237403, Anupur: 8291285256,
Kotma: 8879237403, Umaria: 8879237403

SUNIL AUTOMOTIVES
Balaghat: 8879231509, Seoni: 8879232653,
Mandla: 9167067835

ANAND MOTOREN PVT. LTD.
Damoh: 9167059339

Images and illustrations are indicative and for information purposes only. All features/specifications/colors are not available in all variants and may vary for different variants and are subject to change without prior information. Colours may vary due to printing limitations. *Altroz price mentioned is Pure CNG AMT, Ex Showroom Delhi. ◊Altroz is 5 star bncap rated hatchback as per 2025 test. Altroz is the only hatchback to get 5 star rating across powertrain of Petrol, Diesel and CNG. As per Bharat Ncap results 2025 & 2026. *Available in Premium Hatchback Segment. Terms and conditions apply.